# मुझे स्वर्ग बनाओ (मेक मी हेविन)

*(गीत: भारत फिर भरपूर बनेगा, कोई नहीं कमी होगी..हीरों से आकाश भरा...)*

**भारत माता (जोर से)-** मुझे स्वर्ग बनाओ..मुझे स्वर्ग बनाओ
**अमेरिका–** ये किसका आवाज है? मुझे स्वर्ग बनाओ..मेक मी हेविन..
**ब्रिटेन–** मेक मी हेविन..कौन कह रहा है?
**अमेरिका-** अरे, यह तो भारत माता है
**ब्रिटेन–** भारत माता, आप ऐसा क्यों कह रही हैं
**भारत माता-** आज मैं किन्हीं सुखद यादों में खोई हुई हूँ।
**अमेरिका-** कौन-सी यादें
**भारत माता-** उसको याद करके भाव विह्वल हो गई थी।
**ब्रिटेन-** किसको याद करके
**भारत माता-** मेरा एक सपूत बालक जिसकी आज 150वीं जयंती है, जो मुझे फिर से स्वर्ग बनाना चाहता था, जब मैं गुलामी की जंजीरों में जकड़ी हुई थी तो उसने ही मेरी सभ्यता और संस्कृति का परचम सारे विश्व में फहराया था। उसने ही पूरे विश्व में मेरे गौरव को बढ़ाया था। मैं कैसे उसे भूल सकती हूँ।
**अमेरिका-** आप किसकी बात कर रही है (सोचते हुए) अरे हां, स्वामी विवेकानन्द..वह अद्भुत तेजस्वी युवा संन्यासी। सच है, मैं भी उसे कैसे भूल सकता हूँ। मेरा दिल में भी उसके प्रति बहुत रिस्पेक्ट है। सन् 1893 में शिकागो में उसके एक भाषण ने मुझे शेक करके आई मीन हिलाकर रख दिया था। उसके शब्दों ने आपकी ग्रेटनस का प्रूफ दिया। आप धन्य हैं भारत माता, आपका पावन भूमि पर ऐसे ग्रेट पर्सन का जन्म हुआ।
**भारत माता-** मेरे दुख से उसे वेदना होती थी। मुझे दरिद्रता और गुलामी के दलदल में फँसा देख उसने भी अपनी शैया का त्याग कर नीचे जमीन पर सोना प्रारंभ कर दिया था। इतना अगाध अटूट प्रेम था उसका मेरे प्रति और मेरा भी उसके प्रति। उसके मन में मुझे फिर से सोने की चिड़िया बनाने का सपना था। उसने कहा था कि मुझे 100 ब्रह्मचारी युवक मुझे मिल जाये तो मैं अपनी भारत माता को फिर से स्वर्ग बना दूँ। उसे याद करके मेरा रोम-रोम उसके प्रति स्नेह से भर जाता है।
**ब्रिटेन-** हाँ माता, मैंने भी उसे देखा है, उस युवा संन्यासी को। उसका महानता, दिव्यता, उच्चता का वर्णन करने में मैं केपेबल नहीं हूँ।
**भारत माता-** मेरे उस तेजस्वी सपूत युवा बालक ने मुझ टुकड़ों में बंटी भारत माता को एक सूत्र में बांधने का अटूट प्रयास किया था। वह मेरा खोया हुआ वैभव मुझे लौटाना चाहता था।
**अमेरिका-** हे माता, अब तो आप स्वतंत्र हैं, अब किस बात का दुख है आपको।
**भारत माता-** हाँ भले स्वतंत्र हूँ पर अभी भी मैं विकारों, व्यसनों की गुलामी में जकड़ी हुई हूँ। ये जंजीरे बहुत कड़ी हैं।

**ब्रिटेन–** विकारों, व्यसनों का गुलामी

**भारत माता-** सिर्फ मैं ही नहीं, संपूर्ण विश्व आज इस गुलामी में जकड़ा हुआ है। जहाँ देखती हूँ वहाँ हिंसा, तनाव, दुख, अशांति....आह..कितनी तड़प..कितनी वेदना..मुझे याद आ रहा है मेरा वो प्राचीन भव्य स्वरूप जब मेरा एक-एक लाल सर्वगुणसंपन्न, सोलह कला संपूर्ण देवी-देवता था, वो कितने सुख के दिन थे..काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार का नामोनिशान न था। हिंसा, अशांति, रोग, शोक, दुख जैसे शब्दों से मैं अंजान थी। मेरा हर लाल विवेकानन्द की भाँति मेरा ख्याल रखने वाला, मुझसे बेहद प्रेम करने वाला था। उस समय मेरे सब बच्चे आपस में मिलजुलकर रहते थे, शेर और गाय भी एक घाट पर पानी पीते थे..वो ऐश्वर्य.... मैं अपार संपदा की स्वामिनी थी।

*(ब्रिटेन बातें सुनते-सुनते खो जाता है)*

**अमेरिका (ब्रिटेन को जगाते हुए) –** वेक अप.. वेक अप..

**ब्रिटेन –** सुनते-सुनते मैं खो गया था..भारत माता, आप कौन-से टाइम का बात कर रहा है। आपके इस वैभव को तो मैंने भी 400 साल पहले देखा है।

**भारत माता-** मैं आज से पांच हजार वर्ष पहले की बात कर रही हूँ। जब मैं भारत माता स्वर्ग कहलाती थी।

**ब्रिटेन-** स्वर्ग, यू मीन हेविन

**अमेरिका –** ओह तो क्या उस समय लोग मरने के बाद आपके पास पैदा होते थे। आई मीन, जब कोई मरता है तो हम कहते हैं, हेविनली अबोड।

**भारत माता-** नहीं, उस समय मेरे पास इतना वैभव, संपदा, ऐश्वर्य, सुख था कि मुझे ही स्वर्ग कहा जाता था। दुख का नामोनिशान नहीं था।

पर आज मुझे खुशी है कि मैं अपना वह खोया हुआ स्वरूप फिर से प्राप्त करने जा रही हूँ।

**अमेरिका-** वाओ, कैसे

भारत माता- आज मेरे पास हैं विवेकानन्द जैसे एक लाख से भी अधिक बाल ब्रह्मचारी, निर्व्यसनी, तेजस्वी, तपस्वी युवा भाई-बहने

**ब्रिटेन-** इतना पावरफुल वेपन

भारत माता- हाँ, मेरे पास है वो युवा धन जो मुझे फिर से स्वर्ग बनायेगा।

**अमेरिका–** हम उनसे मिलना चाहेंगे।

**भारत माता–** तो आओ मैं मिलवाती हूँ

(बी.के.युवा भाई-बहनें..)

ये मेरे वे सपूत युवा बालक हैं जो मुझे महानता के उसी शिखर तक पहुँचाने के लिए कृत संकल्पित हैं। मुझे उज्ज्वल बनाने में अपना तन,मन, धन अर्पित करने को तैयार हैं। मुझे गर्व है अपने इस युवा धन पर। अपने इन शांतिदूत युवाओं पर.. ( स्वर्णिम भारत बनाने शांतिदूत चले..)

मैं चाहती हूँ मेरे हर युवा के मन में मुझे फिर से स्वर्ग बनाने का सपना हो। हर युवा शांतिदूत बने..

**ब्रिटेन-** जरूर होगा..हमने देखा है..आपके बच्चों में आपके प्रति कितना रिस्पेक्ट है..आप पर अपना जान भी देता है।

**अमेरिका-** पर एक बात समझ में नहीं आता कि इन शांतिदूतों का लीडर कौन है? इनको ऐसा किसने बनाया?

**भारत माता-** लीडर, इनका लीडर है वो हस्ती जिनका गुणगान जुबां कर नहीं सकती, स्वर मौन हो जाते हैं, शब्द गौण हो जाते हैं।

**ब्रिटेन–** हमें बताओ, कौन है वो, हू इज हि

**भारत माता-** वो हैं हम सबके परमपिता परमात्मा जिनकी छत्रछाया मेरे ऊपर है। जिनकी नजर में मैं विशेष हूँ। वे मेरा बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने ही इन शांतिदूत युवाओं के दल को तैयार किया है। वे मुझे नवजीवन देना चाहते हैं।

**अमेरिका-** भारत माता, आपको अपने इस नये बर्थ का इन एडवांस बहुत-बहुत मुबारक
हम आपको सैल्यूट करते हैं। सच में आप हमारी भी माँ हैं..हम सबकी माँ हैं..हम प्रे करते हैं कि सभी नेक्सट बर्थ में आपकी हाइएस्ट लैंड में जन्म लें।

*(माँ तुझे सलाम..माँ तुझे सलाम..वंदे मातरम्)*